

# मिरा भाईंदर महानगरपालिका

मुख्य कार्यालय, तिसरा मजला, छत्रपती शिवाजी महाराज सभागृह

मा महासभा दि. १६/०५/२०१३

आज गुरुवार दि. १६/०५/२०१३ रोजी मिरा भाईंदर महानगरपालिकेची मा. महासभा सकाळी ११.०० वाजता सभा सुचना क्र. २ दि. ०६/०५/२०१३ रोजीच्या विषयपत्रिकेवर विचार विनिमय करणेकरिता महापालिका सभागृह, ३ रा मजला, छत्रपती शिवाजी महाराज सभागृह येथे मा. महापौर यांच्या अध्यक्षतेखाली भरली असता खालीलप्रमाणे सदस्य हजर होते.

## उपस्थित सदस्य

१)	कॅटलीन ऍन्थोनी परेरा	महापौर
२)	सय्यद नुरजहाँ नझर हुसेन	उपमहापौर
३)	भोईर राजू यशवंत	सभापती, स्थायी समिती
४)	पाटील ध्रुवकिशोर मन्साराम	सभागृह नेता
५)	मेहता नरेंद्र लालचंद	विरोधी पक्षनेता
६)	सॅन्ड्रा जेफ्री रॉड्रीक्स	सदस्या
७)	अशोक सुर्यदेव तिवारी	सदस्य
८)	असेन्ला मॅडोन्सा परेरा	सदस्या
९)	अॅड. रवि व्यास	सदस्य
१०)	कोठारी सुमन रमेश	सदस्या
११)	कांगणे यशवंत ठकाजी	सदस्य
१२)	मयेकर सरस्वती रजनीकांत	सदस्या
१३)	म्हात्रे कल्पना महेश	सदस्या
१४)	पिसाळ मनिषा नामदेव	सदस्या
१५)	पांडे हंसूकुमार कमलकुमार	सदस्य
१६)	निलम हरिश्चंद्र ढवण	गटनेता, शिवसेना
१७)	जाधव मोहन महादेव	सदस्य
१८)	वेतोसकर राजेश शंकर	सदस्य
१९)	अरविंद दत्ताराम ठाकुर	गटनेता, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना
२०)	प्रभात प्रकाश पाटील	सदस्या
२१)	शर्मा सुनिला सत्येंद्र	सदस्या
२२)	मेहता डिंपल विनोद	सदस्या
२३)	संध्या प्रफुल्ल पाटील	सदस्या
२४)	पाटील वंदना विकास	सदस्या
२५)	घरत तारा विनायक	सदस्या
२६)	आमगावकर हरिश्चंद्र रामचंद्र	सदस्य
२७)	केळुसकर प्रशांत नारायण	सदस्य
२८)	मुन्ना सिंग	गटनेता, अपक्ष
२९)	शाह राकेश रतिशचंद्र	सदस्य
३०)	शरद केशव पाटील	गटनेता, भारतीय जनता पार्टी
३१)	जैन गिता भरत	सदस्या
३२)	जैन रमेश धरमचंद	सदस्य
३३)	शुभांगी महिन कोटियन	सदस्या
३४)	डॉ. राजेंद्र जैन	सदस्य
३५)	बाबरा डॉनल्ड रॉड्रीक्स	सदस्या
३६)	ग्रिटा स्टिफन फॅरो	सभापती, महिला व बालकल्याण समिती
३७)	डॉ. आसिफ गुलाब शेख	सदस्य
३८)	संदिप मोहन पाटील	सदस्य
३९)	डिमेलो बर्नड अल्बर्ट	गटनेता, राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी
४०)	बगाजी शर्मिला विन्सन	सदस्या
४१)	लियाकत ग. शेख	सदस्य

४२)	परमार अनिता भरत	सदस्या
४३)	पाटील प्रणाली संदिप	सदस्या
४४)	रकवी सुहास माधवराव	सदस्य
४५)	झिनत रऊफ कुरेशी	उप-सभापती, महिला व बालकल्याण समिती
४६)	खण्डेलवाल सुरेश	सदस्य
४७)	पाटील नरेश तुकाराम	सदस्य
४८)	शेख शबनम लियाकत	सदस्या
४९)	सुजाता रविकांत शिंदे	सदस्या
५०)	मोहम्मद फरिद सिद्दीक कुरेशी	सदस्य
५१)	पुजारी कांचना शेखर	सदस्या
५२)	काझी रशीदा जमील	सदस्या
५३)	इनामदार जुबेर	गटनेता, भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस
५४)	शेख अशरफ मोहम्मद इब्राहिम	सदस्य
५५)	म्हात्रे सुर्यकांत खंडोजी	सदस्य
५६)	डिसा मर्लिन मर्विन	सदस्या
५७)	कासोदरिया अश्विन श्यामजी	सदस्य
५८)	डॉ. नयना मनोज वसानी	सदस्या
५९)	जैन दिनेश तेजराज	सदस्य
६०)	भट्ट दिप्ती शेखर	सदस्या
६१)	दळवी प्रशांत ज्ञानदेव	सदस्य
६२)	विराणी रेखा अनिल	सदस्या
६३)	सामंत प्रमोद जयराम	सदस्य
६४)	अनिता जयवंत पाटील	सदस्या
६५)	म्हात्रे परशुराम पद्माकर	सदस्य
६६)	भोईर भावना राजू	सदस्या
६७)	वेंचर गिल्बर्ट मेंडोसा	सदस्य
६८)	अरोरा दिपिका पंकज	सदस्या
६९)	भावसार शिल्पा कमलेश	सदस्या
७०)	वंदना रामदास चक्रे	सदस्या
७१)	सुमबंड महरुन्नीसा हारूनरशीद	सदस्या
७२)	गावंड मंदाकिनी आत्माराम	सदस्या
७३)	प्रभाकर पद्माकर म्हात्रे	सदस्य
७४)	मीरादेवी रामलाल यादव	सदस्या
७५)	अनिल बाबुराव भोसले	सदस्य
७६)	रविंद्र भिमदेव माळी	सदस्य
७७)	दक्षता राजेंद्र ठाकूर	सदस्या

**गैरहजर सदस्य —**

१)	सिंग मदन उदितनारायण	सदस्य
२)	पाटील रोहिदास शंकर	सदस्य
३)	प्रेमनाथ गजानन पाटील	सदस्य
४)	जयंतीलाल गुरुनाथ पाटील	सदस्य
५)	प्रविण मोरेश्वर पाटील	सदस्य
६)	भानुशाली वर्षा गिरीधर	सदस्या
७)	पाटील वंदना मंगेश	सदस्या
८)	रावल भगवती जयशंकर	सदस्या
९)	मेंडोसा स्टिवन जॉन	सदस्य
१०)	रॉड्रीक्स मॉरस जोसेफ	सदस्य
११)	जयमाला किशोर पाटील	सदस्या
१२)	गोविंद हेलन जॉर्जी	सदस्या

**रजेचा अर्ज —**

१)	पाटील सुनिता कैलास	सदस्या
२)	मेघना दिपक रावल	सदस्या

- ३) प्रतिभा प्रकाश तांगडे-पाटील सदस्या  
४) कमलेश यशवंत भोईर सदस्य

**मा. महापौर :-**

आजच्या सभेकरिता उपस्थित सर्व सन्मा. नगरसेवक, सन्मा. नगरसेविका, सर्व सन्मा. पदाधिकारी, अधिकारी आणि कर्मचारी वर्ग या सर्वांचे मी स्वागत करित आहे. सर्वांना बुध्द पोर्णिमेच्या शुभेच्छा देऊन आजच्या सभेला सुरुवात करत आहे. आजची ही सभा खेळीमेळीच्या वातावरणात पार पाडाल अशी आशा करते. सचिवांनी सभेला सुरुवात करावी.

**नगरसचिव :-**

मिरा भाईदर महानगरपालिकेची मा. महासभा गुरुवार दि. १६/०५/२०१३ रोजी सकाळी ११.०० वाजता मिरा भाईदर महानगरपालिका, स्व. इंदिरा गांधी भवन, मुख्य कार्यालय, तिसरा मजला, छत्रपती शिवाजी महाराज सभागृहात महासभा सुचना क्र. ०२, दि. ०६/०५/२०१३ रोजी सोबतच्या विषयपत्रिकेवरील प्रकरणांवर विचार विनिमय करण्यासाठी आयोजित करण्यांत येत आहे. प्रश्नोत्तराच्या तासाला सुरुवात होत आहे. ११ वाजून ३५ मिनिटे झालेली आहेत. श्री. राजेंद्र जैन यांचा प्रश्न आहे.

**राजेंद्र जैन :-**

अपना फायर सेफ्टी मेजर मिरा भाईदर में कब से लागू हुआ है?

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

२००५ पासून सुरु झालेला आहे. परंतु आपल्याकडे २०११ पासून इम्प्लीमेंट करण्यात आला.

**राजेंद्र जैन :-**

यह पॉलिसी हम कैसे फॉलो करते है? उसका डिस्मिशन कैसे लेते है?

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

केस टू केस लेते है।

**राजेंद्र जैन :-**

आपने पहले सिर्फ हॉस्पिटल को ही फायर सिस्टम कम्पलसरी क्यों करवाये?

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

शासन का पत्र आया था की, पहले हॉस्पिटल्स को कम्पलसरी करे।

**राजेंद्र जैन :-**

नगरपालिका के हॉस्पिटल्स के अंदर फायर सिस्टम लगाया है?

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

उसका तीन बार टेंडर निकाला था।

**राजेंद्र जैन :-**

आपने सिर्फ प्रायव्हेट हॉस्पिटल्स को ही फायर सिस्टम कम्पलसरी किया है। मिरा भाईदर क्षेत्र में इतनी स्कुल्स है, अपना मिरा भाईदर महानगरपालिका ऑफिस है। जहाँ पर बहुत सारे लोगों का आना जाना होता है। वहाँ पर फायर सिस्टम लगाया नहीं है।

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

गव्हर्नमेंट के जी.आर. मे फस्ट फेज मे हॉस्पिटल्स में फायर सिस्टम लगाना कम्पलसरी किया है।

**राजेंद्र जैन :-**

फेज यह वर्ड किसी भी जी.आर. में नहीं है। आप सब जगहों पर फायर एन.ओ.सी. चालू किजिए। अगर फायर एन.ओ.सी. पर मिरा भाईदर खर्च करता है, तो फायर डिपार्टमेंट के पास सब बिल्डींग का डेटा है। आपने महानगरपालिका के स्कुल के अंदर फायर सिस्टम लगाया है?

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

महानगरपालिका के स्कुल है, वहाँ पर लगाया है।

**राजेंद्र जैन :-**

मॅक्झीमम आग इंडस्ट्री मे लगती है। मैं आपको दावे के साथ बता सकता हूँ की, मिरा भाईदर में किसी भी इंडस्ट्री में फायर सिस्टम नहीं है। यहाँ तक की, फायर एस्टींग्युशर भी नहीं होगा। और आपने हॉस्पिटल को कम्पलसरी क्यों किया?

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

शासन ने परिपत्रक दिया था।

**राजेंद्र जैन :-**

जो जुने बिल्डींग है, उनके लिए आपकी क्या पॉलिसी है।

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

उनका ऑडीट करेंगे।

**राजेंद्र जैन :-**

उसके लिए आप कमिटी बनाएंगे या अपने डेटा से काम करेंगे?

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

पुराने बिल्डींग का सर्वे किया नहीं है।

**राजेंद्र जैन :-**

अब तक कितने लोगों को आपने नोटीस दिया है?

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

नए बिल्डींग को हम कम्पलसरी करते है।

**राजेंद्र जैन :-**

पुराने बिल्डींग को नोटीस दिया है?

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

पुराने बिल्डींग को नहीं दिया है।

**राजेंद्र जैन :-**

मिरा भाईदर में सब नई बिल्डींग में फायर एन.ओ.सी. है। लेकिन पुराने बिल्डींग को आपने फायर एन.ओ.सी. रिन्यु करने के लिए कितना रिन्युअल फी लेते है।

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

कॅपिटेश फी के १० टक्के रिनिव्हल फी है।

**राजेंद्र जैन :-**

१० टक्के होती है। पर अब तक अपना कितना पर्सेंट रिनिव्हल हुआ है?

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

मेरे पास अब वो जानकारी नहीं है। आपका सवाल नही था, इसलिए नहीं लाया।

**राजेंद्र जैन :-**

एन.ओ.सी. का ही सवाल है। अगर फायर एन.ओ.सी. होती है तो उसका रिन्युअल भी होता है। अगर रिन्युअल होता है तो उसकी महानगरपालिका को इंकम भी होती है। और सबसे इम्पोर्टेंट बात, आज हम जब अपना टेंभा के हॉस्पिटल के लिए बोलते है की, हमारे पास पैसा नहीं है। और अगर इसी हिस्से से आपको अगर साल का दस करोड अगर रिन्युअल से आ जाता है, तो अपना बात गलत साबीत हो जाएगा। इंकम इतनी आ रही है, फायर कॅपिटेशन प्लस रिफन्ड अगर दस बारा लाख का पॉप्युलेशन बढ़ाया। उसके हिसाब से बोला कि, हमारा फायर का काम बहुत बढ़ गया है। आपने स्टाफ पॅटर्न बढ़ाया। आपने बडी-बडी मशिन ली। लेकिन जब आप उसको युज करने की पावर मे ही नहीं, कॅपेसिटी में नहीं है, और आपका फायर का रुल है की, फायर कॅपिटेशन का जो पैसा आएगा, दॅट यू युज ओनली फॉर फायर कॅपिटेशन। उसको बाहर कही खर्च नहीं कर सकते।

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

१०० टक्का उसको वसुल करेंगे। जानेवारी और जुलै में उसका रिन्यु रहता है। रिन्युअल के बाद में हम वसुल करते है।

**राजेंद्र जैन :-**

मा. आयुक्त महोदय, रिफन्ड बहुत कम है। उससे बहुत भारी आर्थिक हानी हो रही है। इंडस्ट्री के अंदर जी-१, जी-२ गाले बन गए है। उनको किसी को एन.ओ.सी. नहीं है। हम कॅपिटेशन फी लेंगे प्लस सेफ्टी होगी। हमारा मेन मुद्दा सेफ्टी का है। पैसा वसुल करने का नहीं है। लेकिन क्योंकि पॉप्युलेशन बढ़ रही है, हमें यंत्रणा करनी पडती है। हमें पैसा भी लगेगा। तो पुरी फायर एन.ओ.सी. का पैसा, कॅपिटेशन फी रिन्यु लिया जाए। ताकि स्टाफ पॅटर्न भी अपना काम करे। अपना खर्च भी काम आए। कुल मिलाकर यह हुआ है की, फायर एन.ओ.सी. के अंदर अब तक देखा जाए तो कोई अध्ययन हुआ नहीं है। जो जितना ऑन पेपर कब्जे में आया, उससे फायर एन.ओ.सी. वसुल कर लिया गया। अगर फायर एन.ओ.सी. के रिन्युअल का आपको अंदाजा दिया जाए, तो नगरपालिका सभा के अंदर, यहाँ पर कम से कम दस-बारा लोग ऐसे बैठे होंगे जिनसे साल का पचास लाख रिन्युअल आता होगा। क्योंकि आज दे आर ऑन द ऑफिशियल पोस्ट। उन्हें डिक्लेर करना पडता है। ऐसे कितने अन डिस्क्लोज लोग है जिन्हे हम एक्सप्लोर कर सकते है। बाय एन.ओ.सी. उसका रिन्युअल, लिडीयन्सींग पॉलिसी, प्लस जुनी बिल्डींग कव्हर करने का यह सब काम तुरंत किया जाना चाहिए और मैं आशा करता हूँ की, मुझे आप यह बतायेंगे की, काम कब तक हो जाएगा। कुछ टार्ईम पिरिएड मिलेगा यह काम नहीं होने से हम भारी आर्थिक हानी सह रहे है।

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

जानेवारी और जुलै मे उसको रिन्यु करते है। अगर फायर फायटींग सिस्टम लगा हुआ है, तो उसे रिन्यु करते है। नही तो उनको पेनल्टी लगाते है। उनको नोटिस देकर उनका पानी और इलेक्ट्रीसिटी कनेक्शन कट करते है।

### राजेंद्र जैन :-

जो नई बिल्डींग, २००८ के बाद बनी है। जिनको ओ.सी. भी दि है। वहाँ पर फायर सिस्टम लगा हुआ है। आप अगर अपना रेकॉर्ड निकालेंगे तो आप खुद देखेंगे, वहाँ रिन्यु नहीं हुआ है। ऐसी कितनी बिल्डींग है जिनका एक बार ओ.सी. लेना था। सर्टिफिकेट ले लिया, बाद में उसका रिन्युअल नहीं हुआ है। उसको नोटिस नहीं देते। कहने का मतलब, मॅकेनिजम अपने आप काम नहीं कर रहा है की, किस तरह से कम्प्यूटराईज टेबल हो, किसपर लगेगा, कैसे लगेगा, कौन डिफॉल्टर है, कौन डिफॉल्टर नहीं है, वह अपना नहीं है। जो फाईल आया, उसका कर लिया, क्या किया, कैसे किया, यहीं चल रहा है। उसका एक कम्प्यूटराईज सिस्टम होना चाहिए की, डेटवाईज, इअर वाईज सिस्टम आना चाहिए। इअरवाईज सिस्टम आना चाहिए, इस बिल्डींग का रिफन्ड आना चाहिए। इसका रिन्युअल होना चाहिए। आपका डेटा क्या रहना चाहिए।

### संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

वो काम चालू है। मेरे पास डाटा है लेकिन अभी नहीं है।

### राजेंद्र जैन :-

यह सब डेटा मुझे अगली बार मिलेगा?

### संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

हाँ, मिलेगा।

### नरेंद्र मेहता :-

मा. महापौर मॅडम, आपले मनःपूर्वक आभार. मॅडम, प्रश्नाच्या माध्यमातून आपले कुठेतरी लक्ष वेधण्याची आमची भुमिका असते आणि काही गोष्टी शहरामध्ये अधिका-यांकडून दुर्लक्ष केल्या जातात. या प्रश्नाचा एकच उद्देश होता की, प्रशासनाने जी माहिती दिली, आता आरोप करण्यापेक्षा, चुकीची माहिती या सभागृहाला दिली. आपल्याकडे फायर साधारण २००८ पासून इम्प्लीमेंट झालेले आहे. पाहिजे तर मी आपल्याला अनेक एन.ओ.सी. आणून दाखवतो. विषय तेवढाच होता की, ज्यावेळी कायदा अमेंडला आला, त्यावेळी सर्वासकट पूर्ण शहराला आला पाहिजे. आपल्याकडे परिस्थिती अशी आहे. मग ओपन लॅंड टॅक्स असू द्या किंवा फायर, एखादा कोणी महापालिकेत आला तर त्याच्याकडून सगळेच काढून घ्या. हे ही भर, तेही भर. जे येत नाहीत ते सगळे सुटलेले आहेत. मॅडम, आपण मिरा भाईंदरमध्ये जूना भाग बघितला, मग ईस्ट असू द्या, वेस्ट असू द्या किंवा मिरारोड, त्या ठिकाणी आपले फायर टेंडर सुध्दा जात नाहीत, फायर व्हेइकलसुध्दा जात नाहीत. त्या ठिकाणी फायर सिस्टम लावणे हे नवीन इमारतीपेक्षा जास्त गरजेचे आहे. आपण २००८ पासून एन.ओ.सी. देत आहोत. सिस्टम असे आहे की, एखादी एन.ओ.सी. दिल्यानंतर त्याने दरवर्षी रिन्युअल करून १० टक्के कॉंपिटेशन फी, साधारण सात माळ्याच्या एका इमारतीचे टेंटी टिव्हली डिड लाख रुपयांच्या आसपास कॅंपिटेशन फी म्हणजे वर्षाला पंधरा हजार एका इमारतीने भरायचे आहेत. आता श्री. राजेंद्र जैनजी, मा. आयुक्त साहेब बोलले की, आपण पन्नास करोड रुपयांची फायर एन.ओ.सी. दिली. आतापर्यंत पाच करोड रुपये एव्हरी इअर आमचे कॅंपिटेशन फी झाली पाहिजे. आता ज्यावेळी बिल्डर आला. त्याला तुम्ही सगळे पैसे भरून घेतले. आता ती फायर सिस्टम पाच वर्षांपासून बंदच आहे. कोणी सुपरविजनला नाही. आपला एकही अधिकारी गेला नाही. त्यांना नोटीसही बजावली नाही की, आपले हे रिन्युअल करून घ्या. एक्सपायर झाले आहे. आपल्याकडून कोणीही गेलेले नाहीत. मागच्या वेळी आपण साधारण साठ ते सत्तर लोकांची भरती केली. लोकसंख्या वाढली, बिल्डींग वाढल्या. पण ते सगळे तसेच बसून आहेत. त्याचा उपयोग होत नाही. ९० टक्के आग इंडस्ट्रीमध्ये लागते. हार्डली २ टक्के मध्येपण फायर सिस्टम नाही. सिस्टम तर लांबची गोष्ट राहिली, त्या लोकांनी फायर एस्टींग्युशरपण लावलेले नाहीत. आता मी माझ्या परिवारातर्फे एव्हरी इअर साधारण तीन ते चार लाख रुपये रिन्युअल भरतो. एक परिवार या शहरात किती आहेत, विचार करा की, आपण किती उत्पन्न घेऊ शकता. आम्ही लोक प्रतिनिधी आहोत म्हणून आम्हाला सर्व भरणे भाग आहे. म्हणून आम्ही भरत असतो. साहेब असे हजार लोक जरी भेटले तरी चार ते पाच करोड रुपये होतात. तर आपल्याला एकच विनंती आहे की, ज्या भागात फायर टेंडर पोहोचू शकत नाहीत, त्या भागात जास्त प्रामाणिकपणे आपण ती भुमिका घ्या की, फायर सिस्टम लावले पाहिजे. दुसरे, जे रिन्युअल आहे, गेल्या पाच वर्षांमध्ये कोणीही रिन्युअल केलेले नाही. सगळ्यांचे लागलेले फायर सिस्टम पण बंद पडलेले आहेत. त्याचा काही उपयोग होत नाही. तर जे रिन्युअल आहेत, त्यांना आपण रिन्युअल करून घ्यावे. आणि आता श्री. पानपट्टे साहेब बोलले की, एम.बी.सी. कोड की, डी.सी.रुल नवीन किंवा जुन्या बिल्डींगला आपण फायर सिस्टम लावायला सांगितले. ते डी.सी. रुलमध्ये ही बसत नाही आणि एम.बी.सी. कोडमध्येही बसत नाहीत. त्यांनी फायर सिस्टम लावल्यामुळे बिल्डींग लिगल होत नाही. त्यांना तुम्ही कंडीशनल दिले की, फायर सिस्टम लावले तरी चालेल. कमीत कमी सेफ्टी तरी करता येईल.

### संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

साहेब, जुन्या इमारतीमध्ये फायर सिस्टम कसे लावणार? रस्ता नाही, वर पाण्याची टाकी खोलता येत नाही, खाली लावता येत नाही. इतके सोपे नसते. कायदाने आम्ही अडचणीत येतो. प्रत्येकाला लावायला शक्य नसते. जुन्या इमारतीमध्ये आपण फायर सिस्टम कसे लावणार? कोणत्याच महापालिकेने जुन्या इमारतीमध्ये

फायर सिस्टम कंटीन्यु केले नाहीत. उद्या तोडफोड होणार, पाणी कट करणार, सगळे लोक तुमच्याकडेच येणार. आहे तसेच इम्प्लीमेंट करायचे ठरवले तर सगळ्याच इमारतींमध्ये प्रॉब्लेम येणार आहे. सगळ्याच तोडफोड कराव्या लागणार.

**नरेंद्र मेहता :-**

आता प्रश्नामध्ये त्यांनीच उत्तर दिले की, ज्या ठिकाणी गाडी जात नाही.....

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

त्याला काही इलाज नाही. या शहराची वस्तुस्थिती आहे.

**नरेंद्र मेहता :-**

मॅडम, माझा प्रश्न तोच आहे की, ज्या ठिकाणी फायर टेंडर जाऊन आग विझवू शकतो. तिकडे सिस्टम लावायची. जिकडे जात नाही त्यांना बोलायचे की, तू सिस्टमही लावू नको. सिस्टम अॅण्ड फायर व्हेईकल, बोथ आर डिफरन्ट थिंग. मग कमीत कमी त्यांनी सिस्टम लावले तर ते लोक त्यांची सेफ्टी तरी करू शकतात.

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

साहेब, सिस्टम लावायला खाली पाण्याची टाकी पाहिजे. जायला-यायला, फिरायला सुध्दा जागा नाही. मग खाली पाण्याची टाकी, वर पाण्याची टाकी, मध्ये हायड्रेन लावायला सिस्टम, पाईप लावायला सिस्टम, डोअर लावायला सिस्टम हे शक्य नाही.

**नरेंद्र मेहता :-**

मॅडम, त्यांचे म्हणणे तेच झाले की, फायर सिस्टम इम्प्लीमेंट होऊ शकत नाही. ही शुल्ड केम विथ द सम ऑफ द पॉलीसी. समथिंग इज बेटर दॅन नथिंग. म्हणजे आपण सांगणार की, काही होऊच शकत नाही आणि दुर्लक्ष करणार. आणि जो नवीन आला फक्त त्याच्याकडूनच घ्यायचे तर ते कधीच शक्य होणार नाही. आता बहुतेक भाईदर रिडेव्हलपमेंटला आला आहे. आता रिडेव्हलपमेंटला दिड मिटर वर पासींग .....

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

त्याला आपण करतो.

**नरेंद्र मेहता :-**

दिड मीटरवर पासींग आहे. तो कुठे बांधणार? तुमचे असे म्हणणे आहे का, त्याला दिड मीटरवर पासींग आहे, तो टाकीच बांधणार नाही का?

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

साहेब, रिडेव्हलपमेंटला आपण कन्सीडर केले आहे. आपण काही नॉर्म्स शिथिल केले आहेत. शिथिल करून आपण त्याला एन.ओ.सी. दिली आहे.

**नरेंद्र मेहता :-**

मा. महापौर मॅडम, आपण बोलायला दिले, धन्यवाद. मला एवढेच सांगायचे होते की, आपले रिन्युअल वार्षिक पाच करोड रुपये आहे. आणि ज्या लोकांनी एन.ओ.सी. घेतली, त्या कोणीही रिन्युअल केले नाही.

**मा. महापौर :-**

मी त्यांना बोलवून, आय विल सी इनटू धिस मॅटर.

**गीता जैन :-**

मॅडम, आपल्याकडे कायदा पाच वर्षाने लागू झाला. पाच वर्षांमध्ये आपल्याकडे कोणाचेही डोळे उघडले नाही की, आपण एखादी अशी सिस्टम करायची की, आपण ज्यांना-ज्यांना एन.ओ.सी. दिलेली आहे त्यांच्याकडून ऑटोमॅटीक रिन्युअलची नोटीस गेली पाहिजे. तेही आपण पाच वर्षात करू शकले नाहीत. एक नोटीससुध्दा घ्यायला आपल्याला वेळ नाही. आपल्याकडे डेटा आहे की, यांना-यांना आपण एन.ओ.सी. दिली आहे. त्यांच्या नोटीसा कुठे आहेत? आणि फर्स्ट फ्लोअर आणि फोर्थ फ्लोअर किती लांब आहे? आणि आपण जेव्हा सांगतो की, आपण हे सर्व कम्प्युटराईज केले आहे, देन इट शुल्ड बी सेंट्रलाईज. ज्यांना-ज्यांना एन.ओ.सी. दिली त्यांची डेट फ्लॅश व्हायला पाहिजे की, आता आपल्याला रिन्युएशनची नोटीस पाठवायची आहे.

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

एन.ओ.सी. मध्ये दिलेले आहे की, जानेवारी जुलै मध्ये त्यांनी स्वतःहून करायचे आहे. आमच्या नोटीसची वाट बघायची सुध्दा गरज नाही. त्यामध्ये स्पष्ट मॅन्शन केलेले आहे.

**गीता जैन :-**

साहेब, आमच्याकडे अजून एकही नोटीस आलेली नाही.

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

महानगरपालिकेची जरूरी नाही. एन.ओ.सी. मध्ये तसे म्हटलेले आहे. फायर सिस्टम बंद पडलेली आहे. फक्त पैसे घेणे हा आमचा मोटो नाही. तिथे फायर सिस्टम पण चालू पाहिजे. विदारुट फायर फायरिंग सिस्टम त्यांचे रिन्यु करायचे?

**गीता जैन :-**

साहेब, तिथे चालू आहे की, नाही याची तुम्ही पहाणी केली का? आपण एकातरी बिल्डींगमध्ये गेले का?

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

बऱ्याच रिन्वुअलच्या ठिकाणी फायर फायरिंग सिस्टम चालू नसते. हायड्रन पाईप गंजलेले असतात.

**गीता जैन :-**

साहेब, मुंबईला जर ही सिस्टम चालू नसेल तर तुम्ही सेक्रेटरीवर अॅक्शन घेऊ शकता असा कायदा आहे. आपल्याकडे ते आहे का?

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

बऱ्याच जणांना नोटीस दिलेल्या आहेत.

**गीता जैन :-**

मग किती रिन्वुएशन्स झाले? आपली किती पहाणी झाली?

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

आता माझ्याकडे रेकॉर्ड नाही. पण माझ्याकडे रेकॉर्ड आहे.

**गीता जैन :-**

साहेब, जेवढ्या इलिंगल बिल्डींग आहेत, जे एन.ओ.सी. घ्यायलाच येत नाहीत, त्याचे काय करायचे?

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

हाच मुद्दा सांगतो की, त्या ठिकाणी फायर सिस्टम बसूच शकत नाही.

**गीता जैन :-**

साहेब, आताही ज्या बिल्डींगचे काम एन.ओ.सी. घेतल्याशिवाय चालू करतात. त्यांना तुम्ही काय करता?

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

कोणत्या?

**गीता जैन :-**

कितीतरी अशा बिल्डींग असतील ज्यांनी तुमच्याकडून एन.ओ.सी. घेतली नसेल. आणि काम चालू असेल, ज्याला आपण इलिंगल कन्स्ट्रक्शन म्हणतो, त्याचे काय?

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

आपण त्यांनाही नोटीस देणार.

**गीता जैन :-**

साहेब, पाच वर्षात आपल्याकडे तेवढाही वेळ नाही का? आपल्या एवढ्या छोट्याशा भाईदरमध्ये तुम्ही चार वर्षात १० टक्के, १५ टक्के, २० टक्के तरी नोटीस द्यायला पाहिजे होत्या.

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

नोटीस आम्ही दिली आहे. आपल्याकडे रेकॉर्ड आहे.

**गीता जैन :-**

मग आणले का नाही?

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

मॅडम, हा प्रश्न नव्हता.

**गीता जैन :-**

साहेब, तुम्हाला हे प्रश्न कोणीही विचारणारच आहे.

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

प्रश्न होता की, महानगरपालिकेच्या इमारतींना फायर फायरिंग सिस्टम बसवली की, नाही? किती इमारतींना बसला? खाजगी किती? जुन्या बिल्डींगना किती? हा रेकॉर्ड माझ्याकडे आहे की, कितीला नोटीस दिलेल्या आहेत.

**गीता जैन :-**

साहेब, मला एक सांगा की, आपण जे पण फायर सिस्टम इथे करत आहोत, ते लोकांच्या प्रोटेक्शनसाठी, म्हणजे त्यांना आग लागून काही होऊ नये यासाठी करतो की, आपल्याला शासनाकडून लेटर आले की, पहिले हॉस्पिटल घ्यायचे म्हणून करत आहोत?

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

शासनाचा आताचा आदेश आहे.

**गीता जैन :-**

आपली त्यात भावना काय आहे? माणसाची रक्षा भावना आहे की, शासनाकडून लेटर आले म्हणून हॉस्पिटलला द्यायचे?

**मा. महापौर :-**

मॅडम, तुम्ही बसून घ्या. मी त्यांना उद्या बोलावते आणि जसे श्री. मेहता साहेबांनी सांगितले आणि डॉ. जैन या सर्वांचे आपण त्यावर मत घेऊ.

**मर्लिन डिसा :-**

मॅडम, स्कुल्स और हॉस्पिटल्स मे जो फायर ब्रिगेड इक्वीपमेंट इन्स्टॉल किया है, तो यह इन केस ऑफ अॅन एमर्जन्सी कैसे युज किया जाएगा? अगर ट्रेन पिपल, या फिर उनके संस्था के लोगों को कोई स्कुल्स, हॉस्पिटल्स मे ट्रेनिंग दिया है?

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

स्कुल के वॉलेंटीअर रहते है, उनको हम ट्रेनिंग देते है।

**मर्लिन डिसा :-**

नही दिया हुआ है।

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

बहुत से जगह पर हमारा फायर ऑफीसर जाकर .....

**मर्लिन डिसा :-**

वो जो इक्वीपमेंट है, वो काफी भारी है। इट कॅन नॉट बी इवन रिमूव्ड, इन अॅन एनर्जी. वो इन्स्टॉल करने के लिए आप प्रोजेक्टली बोल रहे है। लेकिन इन केस ऑफ एमर्जन्सी उसे युज कैसे करेंगे?

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

वहाँ के लोगो ने युज करना चाहिए।

**मर्लिन डिसा :-**

देन यू इश्यू ऑर्डर. की, यह आपको मॅन्डेटरी है की, यू हॅव टू ट्रेन्ड सर्टन नंबर ऑफ पीपल्स.

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

मॅडम, सब कुछ लिखकर दिया है।

**मर्लिन डिसा :-**

अब चार-पाच हजार स्ट्रेन्थ का स्कुल होगा तो फिर छोटे-छोटे बच्चे कहाँ भागेंगे।

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

हमने हर स्कुल को लेटर दे दिया है।

**मर्लिन डिसा :-**

ट्रेनिंग के लिए नहीं दिया है।

**संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-**

हमने दे दिया है।

**मर्लिन डिसा :-**

मुझे नहीं मिला।

**राजेंद्र जैन :-**

मॅडम, यह जो आप बोल रहे है, यह प्रश्न थोडासा घुमाकर पुछ लिया। बेसिकली जब फायर एन.ओ.सी. दि जाती है। तो इन लोगों ने १७-१८ एजन्सी डेप्युट कि हुई है की, उनसे आप सर्टिफिकेट लिजीए। जब वो इन्स्टॉल करते है तो साथ मे ऑन पेपर आप सीख भी लेते है की, आपको कैसे युज करना है। आपने नही पुछा यह आपकी गलती है। सिस्टम मे फॉल्ट नहीं है। फायर एन.ओ.सी. तब दी जाती है, जब फायर एजन्सी बोलती है की, हमने इन्स्टॉल कर दिया है। और वहाँ जिसको दिया है, उनको हमने युज करना सिखा दिया है। ऑन पेपर यहा होता है।

**नगरसचिव :-**

वेळ संपलेली आहे. आजच्या सभेकरिता लक्षेवधी प्राप्त झालेली नाही. प्रकरण क्र. १० टाईप करणे. सदरचे इतिवृत्तांत पुढच्या सभेत दिले जाईल. ते केले होते पण दुरुस्तीसाठी सगळ्या विभागांना पाठवले होते.

**शरद पाटील :-**

तुम्ही प्रत्येक वेळेला, गेल्या वेळेला स्टॅडींगमध्ये सुध्दा असाच प्रश्न झाला. आणि आतासुध्दा हाच प्रश्न येतो आहे. तुम्ही देता कशासाठी?

**नगरसचिव :-**

ते करेक्शनसाठी दिले होते. नवीन पध्दतीप्रमाणे सगळ्या डिपार्टमेंटला आम्ही करेक्शन करण्यासाठी पध्दत आता केली. पुढच्या वेळेपासून ते रेग्युलर येणार.

**शरद पाटील :-**

तुम्ही कोणताही विषय घेताना विचार करुन घ्या. ही प्रशासनासाठी शरमेची गोष्ट आहे की, तुम्ही विषय घेता आणि देऊ शकत नाही.

**नगरसचिव :-**

नवीन पध्दत बदल केल्यामुळे तसे होते.



**(प्रकरण क्र. १० चा विषय मागे घेण्यात आला.)**

**नगरसचिव :-**

सर्व मध्यप्रश्न – निरंक. स्थायी, परिवहन व विशेष समित्यांचे ठराव – निरंक. प्रकरण क्र. ११, मिरा भाईंदर महानगरपालिका मंजूर विकास नियंत्रण नियमावलीत रहिवास वापराकरिता लागणारे आवश्यक वाहनतळ महाराष्ट्र प्रादेशिक व नगररचना अधिनियम १९६६ चे कलम ३७(१) अन्वये फेरबदल करणेबाबत.

**नरेंद्र मेहता :-**

मा. आयुक्त महोदय आणि मा. महापौर मॅडम हा जो विषय आलेला आहे, त्याच्याबद्दल प्रशासनाने जर आम्हाला सभागृहाला माहिती दिली तर थोडा एक्सपेरिन्स वाढेल आणि सभागृहाला पूर्ण माहिती मिळेल की, नक्की काय विषय आहे. आपण ठराव करा पण एकदा माहिती दिली तर बरे होईल. म्हणजे याच्यात प्रशासनाला नक्की काय पाहिजे?

**सत्यवान धनेगावे (नगररचनाकार) :-**

मा. महापौर महोदयांच्या परवानगीने बोलतो. मिरा भाईंदरचे जे डी.सी. रुल्स सॅन्क्शन आहेत, डी.सी. रुलमध्ये पार्किंग प्रोव्हीजन आहे. सध्याचे जे पार्किंग आहे ते सफिशिएन्ट होत नाही म्हणून डी.सी. रुलमध्ये अमेंडमेंट करण्याचा प्रस्ताव सभागृहापुढे दिलेला आहे. सभागृहामध्ये सध्याची विद्यमान तरतुद पण कोट केलेली आहे आणि प्रस्तावित काय बदल आवश्यक आहे, तेही गोषवा-यामध्ये दिलेले आहे. ते बदल जर प्रस्तावित केले आणि सभागृहाने मंजूर केले आणि जर शासनाने नियम मंजूर केले तर त्या बदललेल्या नियमानुसार आपल्याला नवीन प्रकल्पामध्ये पार्किंगची प्रोव्हीजन करून घेता येईल. कारण पार्किंगचा प्रॉब्लेम दिवसेंदिवस बिकट बनत आहे.

**नरेंद्र मेहता :-**

मा. आयुक्त महोदय, आपण आतापण स्टील्ट प्लस पोडिअम अशा अनेकशा परवानगी दिलेल्या आहेत. मग त्या पोडिअमच्या परवानगी दिलेल्या आहेत, त्या नियमात नाहीत का?

**सत्यवान धनेगावे (नगररचनाकार) :-**

नियमातच आहेत.

**नरेंद्र मेहता :-**

मा. महापौर मॅडम, आपण कायदा करा पण आपल्यालाही माहिती आहे, आपणही फ्री एफ.एस.आय. देणार. आणि हल्ली बिल्डर पार्किंगसुध्दा विकायला लागला आहे. पाच लाख, चार लाख, दहा लाख जसे कॉम्प्लेक्स असेल तसे. तर महापालिकेला त्यातून काही उत्पन्न मिळू शकते का? त्याचाही एक विचार करा किंवा एक जशी एक कंडीशन टाकता येईल का की, आपण ज्या सुविधा त्यांना देत आहोत, त्या त्यांना विकता येणार नाही. असे काही करता येईल का, याची पण जर काळजी घ्यावी. मॅडम, आपण पार्किंग ही फ्लॅटधारकांना सुविधा म्हणून देत असतो. पण अलमोस्ट बिल्डर्स आर सेलींग द पार्किंग. आपण त्यांना फ्री एफ.एस.आय. द्यायचे. त्यांनी बांधून घ्यायचे. नंतर ते विकून टाकतात हे आपल्यालाही माहिती आहे. तर माझी सभागृहाला अशी विनंती आहे की, आयदर यू चेंज इट इज इन प्रोव्हीजन. आपल्याला त्याच्याकडून उत्पन्न मिळू शकते का किंवा आपल्याला कंडीशन टाकता येईल का की, पार्किंगचे पैसे फ्री ऑफ कॉस्ट करा. आयदर यू कॅन चेंज मोर दॅन दॅट. असा काहीतरी नियम करून ते केले तर होईल. मी काही बोलत नाही, त्यांना कन्स्ट्रक्शन कॉस्ट लागते. पण बिल्डर त्याला पाहिजे तसे आकारतो आहे. तर कुठेतरी ती कंडीशन किंवा बंधन आले पाहिजे. नाहीतर आपल्याकडून फ्री घ्यायचे आणि तिकडे त्यांनी विकायचे. आपण सुविधा म्हणून कायद्यात बदल करत आहोत. बिल्डरला उत्पन्न वाढावे म्हणून आपण बदल करत नाही. तर सभागृहाला एक विनंती आहे की, त्याचा समावेश करून आपण निर्णय घ्यावा.

**जुबेर इनामदार :-**

मा. आयुक्त महोदय, विषय चांगला आहे. हे बदल डी.सी. रुलमध्ये घडवलेच पाहिजेत. खरोखर शहरामध्ये पार्किंगची परिस्थिती बिकट आहे. आपण चांगला विषय आणला. मात्र ते स्पष्ट होत नाही की, तुम्हाला कशाप्रकारे करायचे आहे. शहरामध्ये आता क्लस्टर डेव्हलपमेंट हा एक पार्ट चालू आहे. एम.एम.आर.डी.ए. च्या माध्यमातून रहिवास विकासाच्या योजना चालू आहेत. म्हाडाच्या माध्यमातून चालू आहेत. तसेच शासनाकडे आपण १:३३ चा प्रस्ताव पाठवलेला आहे. एक्झिस्टींग प्लस वन या रिडेव्हलपमेंट, जुन्या इमारती आहेत. त्यांचा आपण प्रस्ताव पाठवलेला आहे. एकदा त्याचा नियम ठरला तर आपल्याला तो डी.सी. रुलमध्ये बदल झाला तर आपली अडचण होईल. ही स्पष्ट भूमिका प्रशासनाने करावे की, याच्यामध्ये आपल्याला कसा बदल करता येईल. आणि या सगळ्या विषयाचा विचार करून की, अशाप्रकारे जेव्हा आपल्याकडे काही बदल होईल, एफ.एस.आय. चा बदल होईल, तेव्हा आपल्याला काय निष्कर्ष लागतील? सन्मा. सदस्य श्री. नरेंद्र मेहता यांनी जो विषय आणला आहे. इट इज फ्री ऑफ एफ.एस.आय. मा. सर्वोच्च न्यायालयाचे आदेश आहेत की, पार्किंग विकता येत नाही. तरीही बिल्डर पार्किंग विकतात. तर या विषयामध्ये आपल्याला त्यांना कसे थांबवता येईल, अंकुश कसा लावता येईल, तोही विषय प्रशासनाच्या माध्यमातून आला तर मा. महासभा स्विकारेल आणि बहुमताने आम्ही तुम्हाला हा विषय करून देऊ.

### आसिफ शेख :-

मा. महापौर मॅडम, आज आपण हा जो विषय आणला आहे, त्याबद्दल मी आपले या ठिकाणी मनःपूर्वक आभार व्यक्त करतो. या ठिकाणी पार्किंग संदर्भात जो मुद्दा उपस्थित झालेला आहे, खरोखरच तो अत्यंत महत्वाचा विषय आहे. मिरा भाईंदर शहरातील सर्व विकासक पार्किंग विकतात. तर मा. सर्वोच्च न्यायालयाचा आदेश असेल, मा. हायकोर्टचा आदेश असेल, तर माझी मा. आयुक्त साहेबांना अशी विनंती आणि सुचना आहे की, आपण त्या विकासकांना सी.सी. देताना आणि अंतिम ओ.सी. देताना त्यावर अट टाकण्यात यावी की, मा. सर्वोच्च न्यायालयाच्या आदेशानुसार आपणास कोणत्याही फ्लॅट, सदनिकाधारक किंवा शॉप धारकास पार्किंग विकता येणार नाही. तसे निदर्शनास आल्यास आपल्यावर कायदेशीर कारवाई करण्यात येईल असे आपण ओ.सी. आणि सी.सी. देताना त्यावर स्पष्ट अट नमुद करावी. जेणेकरून कोणताही विकासक कायद्याची पायमल्ली करणार नाही. किंवा त्याची डेअरिंग होणार नाही. कारण प्रत्येक जण आज मा. आयुक्तांना गृहीत धरतात, सगळ्यांनाच गृहीत धरतात. कायदा हातात घेणा-या मंडळींना कडक शासन झालेच पाहिजे. त्यामुळे आपण सी.सी. आणि ओ.सी. देतानाच त्यावर अट घालावी. आपण कृपया ही सुचना नमुद करून घ्यावी. धन्यवाद.

### ध्रुवकिशोर पाटील :-

मंजूर विकास नियंत्रण नियमावली विनियम ३५ तक्ता क्र. १२ नुसार रहिवासी बांधकामास प्रशासनाने गोषवा-यात दर्शविल्याप्रमाणे वाहनतळाबाबत तरतुद दिलेली आहे. मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रात तसेच महानगरपालिका क्षेत्रात इमारतीचे होत असलेले विकास व वाढती लोकसंख्या तद्अनुषंगाने शहरातील वाढती वाहने याचा विचार करता महानगरपालिकेस प्राप्त असलेले विकास प्रस्तावामध्ये वाहनतळामध्ये वाढ होणे गरजेचे आहे. मात्र प्रशासनाने गोषवा-या मधील शहरामध्ये राज्य शासनाने ठरविलेल्या धोरणाच्या माध्यमातून राबविण्यात येणा-या विविध योजना याचा उल्लेख केलेला नाही. शहरामध्ये सद्यस्थितीत एम.एम.आर.डी.ए., म्हाडाच्या माध्यमातून रहिवासी संकुल उभारण्यात येत आहेत व प्रस्तावित आहेत. तसेच क्लस्टर डेव्हलपमेंट व शासनाकडे मंजूरीकरीता पाठविण्यात आलेल्या जुन्या इमारतींचा पुर्नविकास करण्याची मान्यता प्राप्त झाल्यास सर्व बाबीकरीता लागणारे निकष स्पष्ट होत नाही. तथापी प्रशासनाने रहिवासी क्षेत्रामध्ये वाहनतळ बनविण्याचा विषय या सर्व बाबीचा आढावा तसेच सन्मा. सदस्यांनी केलेल्या सुचना घेऊन फेरप्रस्ताव मा. महासभेच्या मान्यतेकरीता सादर करावा असा मी ठराव मांडत आहे.

### जुबेर इनामदार :-

माझे अनुमोदन आहे.

### मा. महापौर :-

ठराव सर्वानुमते मंजूर.

### प्रकरण क्र. ११ :-

मिरा भाईंदर महानगरपालिका मंजूर विकास नियंत्रण नियमावलीत रहिवास वापराकरिता लागणारे आवश्यक वाहनतळ महाराष्ट्र प्रादेशिक व नगररचना अधिनियम १९६६ चे कलम ३७(१) अन्वये फेरबदल करणेबाबत.

### ठराव क्र. १० :-

मंजूर विकास नियंत्रण नियमावली विनियम ३५ तक्ता क्र. १२ नुसार रहिवासी बांधकामास प्रशासनाने गोषवा-यात दर्शविल्याप्रमाणे वाहनतळाबाबत तरतुद दिलेली आहे. मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रात तसेच महानगरपालिका क्षेत्रात इमारतीचे होत असलेले विकास व वाढती लोकसंख्या तद्अनुषंगाने शहरातील वाढती वाहने याचा विचार करता महानगरपालिकेस प्राप्त असलेले विकास प्रस्तावामध्ये वाहनतळामध्ये वाढ होणे गरजेचे आहे. मात्र प्रशासनाने गोषवा-या मधील शहरामध्ये राज्य शासनाने ठरविलेल्या धोरणाच्या माध्यमातून राबविण्यात येणा-या विविध योजना याचा उल्लेख केलेला नाही. शहरामध्ये सद्यस्थितीत एम.एम.आर.डी.ए., म्हाडाच्या माध्यमातून रहिवासी संकुल उभारण्यात येत आहेत व प्रस्तावित आहेत. तसेच क्लस्टर डेव्हलपमेंट व शासनाकडे मंजूरीकरीता पाठविण्यात आलेल्या जुन्या इमारतींचा पुर्नविकास करण्याची मान्यता प्राप्त झाल्यास सर्व बाबीकरीता लागणारे निकष स्पष्ट होत नाही. तथापी प्रशासनाने रहिवासी क्षेत्रामध्ये वाहनतळ बनविण्याचा विषय या सर्व बाबीचा आढावा तसेच सन्मा. सदस्यांनी केलेल्या सुचना घेऊन फेरप्रस्ताव मा. महासभेच्या मान्यतेकरीता सादर करावा असा मी ठराव मांडत आहे.

सुचक :- श्री. ध्रुवकिशोर पाटील

अनुमोदक :- श्री. जुबेर इनामदार

ठराव सर्वानुमते मंजूर

ठराव वाचून कायम करण्यात आला

सही/-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

**ध्रुवकिशोर पाटील :-**

मॅडम, एक अभिनंदन ठराव आहे. मिरा भाईंदर महानगरपालिकेचे सन्मा. सदस्य श्री. लियाकत शेख यांची एम.एम.आर.डी.ए वर निवड झाल्याबद्दल मी त्यांच्या अभिनंदनाचा ठराव मांडत आहे.

**जुबेर इनामदार :-**

माझे अनुमोदन आहे.

**मा. महापौर :-**

ठराव सर्वानुमते मंजूर.

**अभिनंदन ठराव क्र. ११ :-**

मिरा भाईंदर महानगरपालिकेचे सन्मा. सदस्य श्री. लियाकत शेख यांची एम.एम.आर.डी.ए वर निवड झाल्याबद्दल मी त्यांच्या अभिनंदनाचा ठराव मांडत आहे.

**सुचक :- श्री. ध्रुवकिशोर पाटील                      अनुमोदक :- श्री. जुबेर इनामदार**  
**ठराव सर्वानुमते मंजूर**

**सही/-**

**महापौर**

**मिरा भाईंदर महानगरपालिका**

**प्रभात पाटील :-**

एक दुःखवटा ठराव आहे. मिरा भाईंदर शहरातील एक प्रतिष्ठित नागरीक, अभिनव शेतकरी शिक्षण मंडळाचे माजी कार्यवाहक, आणि मराठी चित्रपट सृष्टीशी संबंधित असलेले एक कलाकार ज्यांचा आपण याच सभागृहामध्ये कलावंत म्हणून दोन वेळा सत्कार केला, ते खारीगावचे सुपूत्र श्री. जगतकुमार आत्माराम पाटील यांचे नुकतेच अपघाती निधन झाले आहे. त्यांच्या दुःखवट्याचा ठराव मी इथे मांडत आहे. त्याचबरोबर १९९१ च्या पहिल्या सार्वत्रिक निवडणुकीतील पहिल्या नगरसेविका सौ. वर्षा पाटील यांचेदेखील निधन झालेले आहे, त्यांचा देखील दुःखवट्याचा ठराव मी इथे मांडत आहे.

**नरेंद्र मेहता :-**

महाराष्ट्र विधानसभेचे मा. विरोधी पक्षनेते श्री. एकनाथ खडसेजी यांचे चिरंजीव श्री. निखील खडसेजी यांचे आकस्मिक निधन दि. १ मे रोजी झाले. त्यांचाही शोकप्रस्ताव आम्ही या ठिकाणी मांडत आहोत.

**नगरसचिव :-**

सर्वानी दोन मिनीटे जागेवर उभे राहून मृतात्म्यांना श्रध्दांजली वाहायची आहे.

**दुःखवटा ठराव क्र. १२ :-**

मिरा भाईंदर शहरातील एक प्रतिष्ठित नागरीक, अभिनव शेतकरी शिक्षण मंडळाचे माजी कार्यवाहक, आणि मराठी चित्रपट सृष्टीशी संबंधित असलेले एक कलाकार ज्यांचा आपण याच सभागृहामध्ये कलावंत म्हणून दोन वेळा सत्कार केला, ते खारीगावचे सुपूत्र श्री. जगतकुमार आत्माराम पाटील यांचे नुकतेच अपघाती निधन झाले आहे. त्यांच्या दुःखवट्याचा ठराव मी इथे मांडत आहे. त्याचबरोबर १९९१ च्या पहिल्या सार्वत्रिक निवडणुकीतील पहिल्या नगरसेविका सौ. वर्षा पाटील यांचेदेखील निधन झालेले आहे, त्यांचा देखील दुःखवट्याचा ठराव मी इथे मांडत आहे. तसेच महाराष्ट्र विधानसभेचे मा. विरोधी पक्षनेते श्री. एकनाथ खडसेजी यांचे चिरंजीव श्री. निखील खडसेजी यांचे आकस्मिक निधन दि. १ मे रोजी झाले. त्यांचाही शोकप्रस्ताव आम्ही या ठिकाणी मांडत आहोत.

**सुचक :- सौ. प्रभात पाटील    अनुमोदक :- श्री. नरेंद्र मेहता**  
**ठराव सर्वानुमते मंजूर**

**सही/-**

**महापौर**

**मिरा भाईंदर महानगरपालिका**

**मा. महापौर :-**

सन्मा. सदस्य श्री. लियाकत शेख यांचा सत्कार आपण पुढील मा. महासभेत करू. आजची मा. महासभा संपली असे मी जाहिर करत आहे.

**सभा संपल्याची वेळ - दु. १२.०० वा.**

**सही/-**

**महापौर**

**मिरा भाईंदर महानगरपालिका**

**नगरसचिव**

**मिरा भाईंदर महानगरपालिका**